आर.एन.आई. नं.- MPHIN/2015/66655

साप्ताहिक समाचार पत्र

# त्रिकाल दृष्टि

सच का दर्पण

वर्ष-07 अंक-01, भोपाल, सोमवार, 24 जनवरी 2022 पृष्ठ- 8 मूल्य : 3.00 रूपये www.trikaldrishti.com

## संक्षिप्त समाचार

### नेताजी सुभाष चंद्र बोस की इंडिया गेट के पास प्रतिमा स्थापना का निर्णय प्रशंसनीय - मुख्यमंत्री श्री चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में इंडिया गेट के पास नेताजी सुभाष चंद्र बोस की भव्य प्रतिमा की स्थापना की पहल के लिए प्रदेशवासियों की ओर से हर्ष व्यक्त करते हुए इसे प्रशंसनीय कदम बताया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि देश में स्वतंत्रता का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है। साथ ही साहसी योद्धा नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती का वर्ष भी है। इस नाते प्रधानमंत्री जी द्वारा लिया गया निर्णय प्रासंगिक और राष्ट्रवासियों में देशभक्ति की भावना का संचार करने में सहायक है। हम अपने अमर शहीदों के बलिदान और योगदान का स्मरण करने के लिए उनके प्रति सार्वजनिक रूप से सम्मानस्वरूप प्रतिमा स्थापना, डाक टिकट जारी करने और उन पर केन्द्रित पुस्तकों के प्रकाशन का कार्य करते हैं। मध्यप्रदेश में भी जबलपुर जेल में, जहाँ नेता जी बंदी बनाए गए थे, उसे आमजन के दर्शनार्थ खोलने की पहल की गई है।

### मंत्री श्री सारंग ने कोविड के लिये डेडीकेटेड काटजू हॉस्पिटल का निरीक्षण किया

भोपाल। चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने आज भोपाल में डेडीकेटेड कोविड हॉस्पिटल काटजू का निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य अधिकारी, डॉक्टर्स और अन्य स्टाफ से चर्चा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। मंत्री श्री सारंग ने बताया कि प्रदेश में कोविड-19 के मद्देनजर आवश्यक तैयारियाँ की गई हैं। लगभग 32 हजार बिस्तर गवर्मेंट सेक्टर में और 25 हजार बिस्तर प्राइवेट सेक्टर में कोविड मरीजों के लिये रिजर्व किये गये हैं। लगभग 60 से 65 हजार बिस्तरों की तैयारी है। श्री सारंग ने कहा कि चिंता का विषय है कि कोविड के केसेज लगातार बढ़ रहे हैं, लेकिन इसमें हॉस्पिटलाइजेशन कम है। राज्य सरकार ने कोविड के उपचार के लिये हर संभव प्रयास किये हैं। लोगों को कोरोना प्रोटोकॉल का ध्यान रखकर कार्य करना होगा। मास्क लगाकर अपने आप को सुरक्षित करें, वैक्सीन जरूर लगवाएँ। प्रदेश में 15 से 18 साल के बच्चों के वैक्सीनेशन में लगातार वृद्धि हो रही है।

### मुख्यमंत्री श्री चौहान करेंगे सुभाष नगर आर.ओ.बी का लोकार्पण

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान 23 जनवरी को सुभाष चन्द्र बोस जंयती पर शाम 4:30 बजे सुभाष नगर आर.ओ.बी का लोकर्पण करेंगे। चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री चौहान प्रभात चौराहा पर स्थापित नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की प्रतिमा का अनावरण और आजाद हिन्द फौज कॉन्सेप्ट पार्क का भूमि-पूजन भी करेंगे। मंत्री श्री सारंग ने आज प्रभात चौराहा पहुँचकर वहाँ की तमाम व्यवस्थाओं को देखा और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि आजादी की 75वीं वर्षगाँठ के मौके पर सुभाष चन्द्र बोस को कृतज्ञता ज्ञापित करते हुये देश भक्तिमय वातावरण निर्मित कर आर.ओ.बी. को सजाया जायेगा।

## PM मोदी ने की जिलाधिकारियों के साथ बैठक, कुपोषण और पशु टीकाकरण पर जिलों को सराहा

नई दिल्ली. पीएम मोदी ने विभिन्न जिलों के जिलाधिकारियों के साथ वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से संवाद किया. इस दौरान उन्होंने जिलों में केंद्र सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रगति की समीक्षा की. उन्होंने शनिवार को कहा कि विकास के मामले में पिछड़े जिले पहले देश की प्रगति के आंकड़ों को भी नीचे कर देते थे लेकिन पिछले सात साल में जब से इन पर विशेष ध्यान दिया गया और उन्हें आकांक्षी जिलों के रूप में पेश किया गया, तो यही जिले आज गतिरोध की बजाए गतिवर्धक बन रहे हैं.

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा, 'आजादी के 75 साल की लंबी यात्रा के बाद भी देश में कई जिले पीछे ही रह गए. समय के साथ इन जिलों पर पिछड़े जिलों का तमगा लगा दिया गया. एक तरफ देश के सैकड़ों जिले प्रगति करते रहे तो दूसरी तरफ ये पिछड़े जिले और पीछे होते चले गए.' उन्होंने कहा कि देश की प्रगति के आंकड़ों को भी ये जिले नीचे कर देते थे और इसकी वजह से जो जिले अच्छा भी कर रहे होते थे, उनमें भी निराशा आती है.

उन्होंने कहा, 'देश में पीछे रह गए इन जिलों पर विशेष ध्यान दिया गया. आज आकांक्षी जिले देश के आगे बढ़ने के अवरोध समाप्त कर रहे हैं. आप सब के प्रयासों से आकांक्षी जिले गतिरोध की बजाए गतिवर्धक बन रहे हैं.' प्रधानमंत्री ने कहा कि जो जिले पहले कभी तेज प्रगति करने वाले माने जाते थे, आज कई मानकों में आकांक्षी जिलों ने भी उनसे अच्छा काम करके दिखाया है.

उन्होंने कहा, 'आकांक्षी जिलों ने विकास के अभियान में हमारी जिम्मेदारियों को विस्तार दिया है. उसे नया स्वरूप दिया है. संविधान की जो भावना है उसे मूर्त स्वरूप देता है. इसका आधार है केंद्र राज्य और स्थानीय प्रशासन का टीम वर्क.' प्रधानमंत्री ने कहा कि कई जिलों ने कुपोषण पर बहुत अच्छा काम किया है तो कुछ जिलों ने पशुओं के टीकाकरण पर बहुत बेहतर काम किया है.

उन्होंने कहा कि बिहार जैसे राज्य में जहां 30 प्रतिशत पीने का शुद्ध पानी उपलब्ध था आज वहां 90 प्रतिशत तक नल से शुद्ध पानी पहुंच रहा है. उन्होंने कहा, 'जब दूसरों की आकांक्षाए, अपनी आकांक्षाएं बन जाएं और जब दूसरों के सपनों को पूरा करना अपनी सफलता का पैमाना बन जाए तो फिर वो कर्तव्य पथ इतिहास रचता है. आज हम देश के आकांक्षी जिलों में यही इतिहास बनते हुए देख रहे हैं.' कई राज्यों के मुख्यमंत्री और नीति आयोग के वरिष्ठ अधिकारी भी इस संवाद कार्यक्रम में मौजूद थे. इस दौरान जिलों के प्रदर्शन की समीक्षा की गई और उनके सामने पेश आ रही चुनौतियों पर भी विचार किया गया.

## राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल की पहल पर राजभवन में लगा सिकल सेल स्क्रीनिंग शिविर

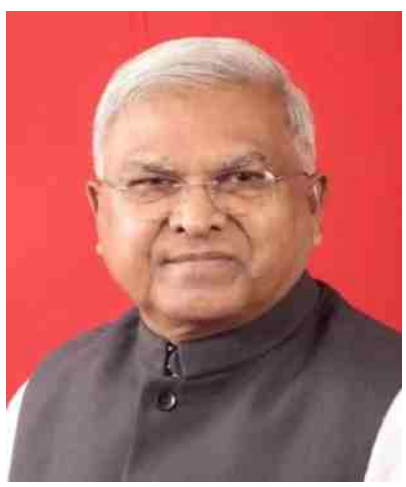

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल की पहल पर रेड क्रॉस सोसाइटी भोपाल, स्वास्थ्य और आयुष विभाग के तत्वाधान में सिकल सेल स्क्रीनिंग शिविर राजभवन के संदीपनि ऑडिटोरियम में आयोजित हुआ। शिविर में कुल 55 लोगों की स्क्रीनिंग की गई। स्क्रीनिंग के लिए आने वाली महिलाओं को स्वच्छता किट रेडक्रॉस भोपाल के सौजन्य से प्रदाय की गई। किट में नहाने का साबुन, कपड़े धोने का साबुन, नारियल तेल, टूथब्रश और सेनेटरी नैपकिन आदि शामिल है। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने सिकल सेल एनीमिया रोग उन्मूलन प्रयासों को प्रदेश में नई दिशा और गति प्रदान कराई है। उन्मूलन प्रयासों पर विमर्श के कार्यक्रमों के साथ ही निरंतर मॉनिटरिंग की प्रेरणात्मक गतिविधियाँ भी संचालित कराई हैं। सिकल सेल एनीमिया रोग उन्मूलन के लिए प्रदेश के स्वास्थ्य, अनुसूचित जनजाति कल्याण एवं अन्य सम्बंधित विभागों की कार्यशाला का आयोजन नवम्बर माह में राजभवन में किया गया। इसमें मुख्यमंत्री सहित सम्बंधित विभागों के मंत्री, अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, चिकित्सा विशेषज्ञ सहित गुजरात के सिकल सेल नियंत्रण सोसाइटी के डॉक्टर यज्दी इटालिया भी शामिल हुए थे।

राज्यपाल श्री पटेल ने सिकल सेल उन्मूलन प्रयासों की मॉनिटरिंग पर भी विशेष बल दिया है। राज्यपाल ने आयुष एवं स्वास्थ्य विभाग के क्रियान्वयन कार्य से जुड़े अधिकारियों, चिकित्सकों के साथ राजभवन में विगत दिनों चर्चा की। राज्यपाल श्री पटेल ने सिकल सेल प्रभावित क्षेत्रों में जाकर सिकल सेल रोकथाम, प्रबंधन और जेनेटिक काउंसलिंग कार्यों की समीक्षा करने की बात भी कही है। स्क्रीनिंग शिविर संचालन व्यवस्था में राजभवन के चिकित्सक स्वास्थ डॉ. बृजेश श्रीवास्तव, डॉ संगीता जैन, आयुष डॉ. गीता सुकुमारन, राष्ट्रीय स्वास्थ मिशन से डॉ. रूबी खान तथा रेडक्रॉस हॉस्पिटल से पैथलॉजी जाँच स्टॉफ उपस्थित रहे।

## जिंदगी को खुशहाल और बेहतर बनाना हमारा लक्ष्य है: मुख्यमंत्री श्री चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि विशेष पिछड़ी सहरिया, बैगा और भारिया जनजाति की बहनों की जिंदगी को खुशहाल और बेहतर बनाना हमारा लक्ष्य है। रोटी, कपड़ा, मकान, पढ़ाई-लिखाई, दवाई और रोजगार का इंतजाम सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज मंत्रालय में सहरिया बैगा और भारिया जनजाति की महिलाओं को आहार अनुदान की राशि के वर्चुअल अंतरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने जनजातीय कार्य विभाग की आहार अनुदान योजना में 2 लाख 30 हजार 969 पात्र महिला हितग्राहियों को जनवरी 2022 की 23 करोड़ 9 लाख 69 हजार रुपए की राशि सिंगल क्लिक से अंतरित की। राज्य शासन द्वारा इन तीन जनजाति वर्ग की महिलाओं को आहार अनुदान योजना में प्रतिमाह एक-एक हजार रुपए की राशि प्रदान की जा रही है। जनजातीय कार्य मंत्री सुश्री मीना सिंह, प्रमुख सचिव श्रीमती पल्लवी जैन उपस्थित थीं। कार्यक्रम में 14 जिलों की सहरिया, बैगा और भारिया जनजाति की बहनें वर्चुअली सम्मिलित हुईं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने शहडोल जिले की श्रीमती रमनी बैगा एवं श्रीमती प्रेमिया बैगा, छिंदवाड़ा जिले की श्रीमती संगीता भारती और दतिया जिले की श्रीमती प्रभा सहरिया एवं श्रीमती गीता सहरिया से संवाद किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बहनों को कोरोना महामारी से बचाव की समझाइश दी। उन्होंने कहा कि सहरिया बैगा और भारिया जनजाति के विकास और कल्याण के लिए राज्य सरकार कोई कमी नहीं छोड़ रही है।

# प्रदेश को जन-कल्याण, सुशासन और विकास में आगे बढ़ायें: मुख्यमंत्री श्री चौहान

**भोपाल।** मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रत्येक जिले की ओवर आल रैंकिंग हो। प्रतिस्पर्धा बेहतर परिणाम देने के लिए प्रेरित करती है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि विकास के कार्य हर जिला चिन्हित करे। कार्य गुणवत्तापूर्ण एवं समय-सीमा में पूरे हों। कार्य ऐसे हों जो जन-कल्याण के साथ इतिहास रचें। हर जिले की पहचान बने, जैसे इंदौर की स्वच्छता में बनी है। मध्यप्रदेश को जन-कल्याण, सुशासन और विकास में आगे बढ़ायें। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज मंत्रालय में कलेक्टर्स-कमिश्नर्स कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कलेक्टर रोजगार के लिए इनोवेटिव प्रयास करें। योजनाओं में शत-प्रतिशत टारगेट पूरा करें। योजनाओं में प्रदेश का परफार्मस अच्छा है। प्रचार -प्रसार का कार्य भी बेहतर हो। किये गये कार्यों की जानकारी जनता तक पहुँचाना हमारा कर्त्तव्य है। कलेक्टर अपने-अपने जिले में रणनीति बनाकर कार्य करें। आयुष्मान भारत योजना का अस्पतालों और एयरपोर्ट पर भी बेहतर प्रचार-प्रसार हो। सरकार की विश्वसनीयता और स्वच्छ छवि बनाने के लिए कार्य करें। योजनाओं का क्रियान्वयन ढंग से हो। संवेदनशीलता से कार्य हो। तकलीफ और संकट में लोगों की सहायता करना हमारा धर्म है। पारदर्शी और प्रामाणिकता के साथ कार्य करें। दोषियों पर कार्यवाही हो। बेहतर से बेहतर करने की कोशिश करें।

**चुनौती के रूप में करें कोरोना नियंत्रण की व्यवस्थाएँ :** मुख्यमंत्री श्री चौहान ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा में कहा कि प्रदेश में कोरोना के केस बढ़ रहे हैं। इसके नियंत्रण एवं उपचार के लिए चुनौती के रूप में सभी व्यवस्थाएँ बनाई जाना सुनिश्चित करें।

शिशु स्वास्थ्य सेवाओं में शहडोल, रतलाम, पन्ना, डिंडोरी, अनुपपुर जिलों की रैंकिंग अच्छी नहीं है। मेहनत कर अच्छी रैंकिंग हासिल करें। प्रदेश में जिन जिलों में कोरोना वैक्सीनेशन कम है वे लगातार मेहनत कर स्थिति संतोषजनक बनायें। दतिया कलेक्टर से वैक्सीनेशन की जानकारी ली और बेहतर कार्य की बधाई दी। कलेक्टर बालाघाट, भोपाल, जबलपुर, धार और सागर को भी वैक्सीनेशन में अच्छे कार्य के लिए बधाई दी। देवास, उज्जैन, बड़वानी और सागर कलेक्टर्स को निर्देशित किया गया कि वैक्सीनेशन से छूटे हुए व्यक्तियों तेजी से वैक्सीनेशन करें। सभी कलेक्टर्स अभियान चलाकर वैक्सीनेशन का लक्ष्य पूरा करें। जन-प्रतिनिधियों सहित विभिन्न संस्थाओं और संगठनों को जोड़कर कार्य करें। प्रदेश वैक्सीनेशन में अव्वल रहे। यह जिंदगी की सुरक्षा का कार्य है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बड़वानी कलेक्टर को एचडीयू/आईसीयू बिस्तरों की समुचित व्यवस्था नहीं कर पाने पर अप्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कॉन्ट्रेक्टर को ब्लेक लिस्ट करने के निर्देश दिए। डिंडोरी, सतना, शाजापुर कलेक्टर के प्रति भी अप्रसन्नता व्यक्त की। बड़वानी, छतरपुर, श्योपुर में 10 बैडस के पीआईसीयू शुरु कराने के निर्देश दिए। उन्होंने आयुष्मान आपके द्वार 3.0 की समीक्षा कर कार्ड बनाने के निर्देश दिए। नीमच, राजगढ़, रीवा, विदिशा, बुरहानपुर में कार्ड बनाने की प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए।

**आओ एक आँगनबाड़ी गोद ले को बनाएँ जन-आंदोलन :** मुख्यमंत्री श्री चौहान ने महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा में कहा कि आओ एक आँगनबाड़ी गोद लें कार्यक्रम में अपेक्षित परिणाम लाएँ जाएँ। विधायक, सांसद और कलेक्टर एक आँगनबाड़ी गोद लें। अन्य विभागों के शासकीय सेवक भी आँगनबाड़ी गोद लें। आँगनबाड़ी को ठीक करने के लिए महीने में कम से कम एक बार जरूर देखें। आंगनबाड़ियों में शासकीय संसाधनों का उपयोग हो। जन-आंदोलन का रूप दें।

# खाद्य पदार्थों में मिलावट के अपराधियों को करें दण्डित: मुख्यमंत्री श्री चौहान

**भोपाल।** मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि खाद्य पदार्थों में मिलावट गंभीर अपराध है। इसे रोकने के लिए पुलिस, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, स्वास्थ्य विभाग और स्थानीय प्रशासन मिलकर सख्त कार्यवाही करें। मिलावट से मुक्ति अभियान जारी रहे। दोषियों के विरूद्ध अर्थ-दण्ड अधिरोपित हो। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज कलेक्टर्स-कमिश्नर्स कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे।

**अर्थ-दण्ड लगाएँ, पंजीयन निलंबित करें :** मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हमारा उद्देश्य यही है कि लोगों को शुद्ध सामग्री मिले और दोषियों के विरूद्ध सख्त कदम उठाए जाएँ। जहरीली शराब का विक्रय करने वाले नर पिशाच हैं। इनकी जड़ों पर प्रहार किया जाए। खाने-पीने की वस्तुओं में मिलावट करने के दोषी व्यक्तियों से अर्थ-दण्ड की वसूली कर इनके लायसेंस और पंजीयन भी निलंबित किए जाएँ। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में मिलावट के विरूद्ध संचालित अभियान, नागरिकों को दिखना भी चाहिए। इससे आमजन के मन में विश्वास जागृत होता है कि मिलावटी खाद्य पदार्थों के मुद्दे पर सरकार मजबूती से काम कर रही है।

**प्रदेश में हो रही है मिलावटियों पर कार्यवाही**

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मिलावटी खाद्य पदार्थों से संबंधित अपराधों पर ठोस कार्यवाही करने वाले ग्वालियर, इंदौर, मुरैना और खरगोन जिले को बधाई दी। ग्वालियर में गत दो माह में 11 मिलावट खोरों से 15 लाख 50 हजार का माल जब्त कर उन पर 3 लाख 32 हजार का अर्थ-दण्ड लगाया गया। इंदौर में 14 प्रकरणों में 12 लाख 30 हजार रूपये का अर्थ-दण्ड लगाया गया। मुरैना में 1 लाख की सामग्री और खरगोन में 456 लीटर अमानक घी जब्त किया गया। पुलिस द्वारा गत दो माह में 67 प्रकरण में 100 आरोपी के विरूद्ध कार्यवाही की गई। चलित खाद्य प्रयोगशालाओं द्वारा जाँच के लिए 74 हजार 595 नमूने लिए गए। प्रदेश में 15 मोबाइल फूड लेब जिलों सहित ब्लाक, तहसील और ग्रामों में कार्य कर रही हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा 9 नवम्बर 2020 को इनका शुभारंभ किया गया था।

**खाद्य सुरक्षा प्रशासन में सबसे आगे मध्यप्रदेश**

कॉन्फ्रेंस में बताया गया कि देश में ईट राइट सिटी प्रतियोगिता में 20 जिले शार्टलिस्ट हुए थे, जिनमें से मध्यप्रदेश के 5 जिले भोपाल, उज्जैन, इंदौर, सागर और जबलपुर शामिल हैं। खाद्य सुरक्षा प्रशासन की उपलब्धियों में मध्यप्रदेश देश में प्रथम है। देश में प्रथम भोग प्रमाणन दरगाह बुरहानपुर की दरगाह ए हकीमी को माना गया है। इसी तरह देश में प्रथम ईट राइट स्कूल के लिए इंदौर के सम्मति हायर सेकेण्ड्री स्कूल का चयन किया गया। देश के प्रथम भोग प्रमाणन मंदिर के रूप में महाकाल मंदिर और देश में प्रथम एयर पोर्ट ईट राइट कैम्पस के लिए राजा भोज एयरपोर्ट भोपाल का चयन किया गया है।

## खबरें

**महिला स्व-सहायता समूह द्वारा बाँस उत्पादन महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम**

# बेटा और बेटी बराबर आयेंगे, तभी सृष्टि का चक्र चलेगा: मुख्यमंत्री श्री चौहान

**महिला स्व-सहायता समूह ने गणवेश सिलाई कार्य से एक करोड़ का लाभांश कमाया**
**मुख्यमंत्री ने देवास जिले के चिड़ावद में सीएम राइज स्कूल का किया भूमि-पूजन**

**भोपाल।** मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि देवास जिले की महिला स्व-सहायता समूह की बहनों ने बाँस उत्पादन करने का बीड़ा उठाया है। यह महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। समूह की महिलाओं ने एक हजार एकड़ जमीन में बाँस उत्पादन का कार्य हाथ में लिया है। प्रदेश के महिला स्व-सहायता समूहों को गणवेश सिलाई का कार्य दिया गया था। इस कार्य को उन्होंने बखूबी करके दिखाया है। देवास जिले की महिला स्व-सहायता समूह की बहनों ने गणवेश सिलाई के कार्य से एक करोड़ रुपये का लाभांश प्राप्त किया है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि बेटियों के प्रति मेरे मन में शुरू से लाड़ रहा है। उनके उज्जवल भविष्य के लिए ही हमने लाड़ली लक्ष्मी योजना शुरू की। योजना से प्रदेश में लिंगानुपात भी बढ़ा है। वर्ष 2012-13 में 1000 पर 912 बेटियाँ थी, अब 1000 पर 956 बेटियाँ जन्म ले रही है। समाज में बेटियों के प्रति दृष्टिकोण बदला है। जब बेटा और बेटी एक साथ आगे बढ़ेंगे, तभी सृष्टि का चक्र चलेगा।

**महिला स्व-सहायता समूह एवं आरटीसन कंपनी के बीच हुआ अनुबंध :** मुख्यमंत्री श्री चौहान की उपस्थिति में वन विभाग के सहयोग से महिला स्व-सहायता समूह एवं आरटीसन कंपनी के बीच अनुबंध हुआ। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि स्व-सहायता समूह की महिलाएँ एक हजार एकड़ भूमि पर बाँस के पौधों का उत्पादन करेंगी। आरटीसन कंपनी 20 वर्ष तक समूह से बाँस खरीदेगी। कंपनी पहले साल एक बाँस पर 60 रुपये, दूसरे साल 36 रुपये और तीसरे साल 16 रुपये देगी। समूह की महिलाओं को प्रति एकड़ एक से डेढ़ लाख रुपये की आय प्राप्ति होगी। देवास जिले के ग्राम खटांबा में महिला समूह द्वारा पोषण आहार का कारखाना भी चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब बड़े ठेकेदारों के खाते में पैसा नहीं जाता है, बल्कि पैसा समूह के खातों में जाता है।

**अधिक से अधिक महिला स्व-सहायता समूह बनें :** मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में अधिक से अधिक महिला स्व-सहायता समूह गठित हों। इससे निम्?न-मध्?यम वर्गीय महिलाओं को हर माह एक निश्चित आमदनी प्राप्त हो जाती है। देवास जिले में समूह की महिलाओं ने गणवेश सिलाई का कार्य जो पाँच करोड़ 40 लाख का था, इसमें इन्हें एक करोड़ रुपये का मुनाफा मिला। शासन की मंशा है कि हर महिला को कम से कम माह में 10 हजार रुपये की आमदनी हो। महिला स्व-सहायता समूहों को अचार, पापड़, बड़ी, मास्क, सेनीटाइजर बनाने का कार्य भी दिया गया था, जिसे वे सफलतापूर्वक कर रही हैं।

**सीएम राइज स्कूल का किया भूमि-पूजन :** मुख्यमंत्री श्री चौहान ने चिड़ावद में 16 करोड़ की लागत से बनने वाले सीएम राइज स्कूल का भूमि-पूजन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष प्रदेश में सीएम राइज स्कूल खोले जा रहे हैं। लगभग 25 गाँवों के बीच एक सीएम राइज स्कूल होगा। इन स्कूलों में आधुनिक तरीके से शिक्षा देकर गुणवत्ता सुधार किया जायेगा। स्कूल में लायब्रेरी, प्रयोगशाला, अंग्रेजी एवं हिन्दी माध्यम से शिक्षा की व्यवस्था, बच्चों के आने-जाने के लिये बस की सुविधा एवं पर्याप्त स्टाफ रहेगा। स्कूल नर्सरी से 12वीं कक्षा तक संचालित किये जायेंगे।

**मुख्यमंत्री ने की खेल मैदान की घोषणा :** मुख्यमंत्री श्री चौहान ने चिड़ावद ग्राम के बच्चों की मांग पर खेल मैदान बनाने की घोषणा की। उन्होंने कलेक्टर श्री चंद्रमौली शुक्ला को निर्देश दिये कि वे शीघ्र ही खेल मैदान के लिये जमीन देखें और कार्य शुरू करवायें। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि उनकी इच्छा है कि बच्चे खेलें-कूदें और शिक्षा ग्रहण करें। ये बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिये बहुत जरूरी है।

**किसान प्राकृतिक खेती की ओर लौटें :** मुख्यमंत्री श्री चौहान ने किसानों से कहा कि वे प्राकृतिक खेती की ओर लौटें। उन्होंने कहा कि वे स्वयं अब अपने खेत में प्राकृतिक खेती करेंगे। किसान विविध प्रकार की फसलें लें।

**लाड़ली लक्ष्मियों को देखकर संतोष का अनुभव होता है :** मुख्यमंत्री श्री चौहान ने चिड़ावद में कन्या-पूजन कर कहा कि 2006 में उन्होंने लाड़ली लक्ष्मी योजना शुरू की थी।

## इंदौर कलेक्टर मनीष सिंह की चेतावनी- कोरोना के टीकाकरण में लापरवाही बरती तो सील होंगे स्कूलों के कार्यालय

**इंदौर।** कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए जो स्कूल 15 से 17 वर्ष की आयु के किशोरों के टीकाकरण में लापरवाही बरतेंगे उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। यदि दो-तीन दिन में स्कूल संचालकों ने अपने यहां अध्ययरत किशोरों का टीकाकरण नहीं कराया तो उनके प्रशासनिक कार्यालय सील कर दिए जाएंगे। कलेक्टर मनीषसिंह ने इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी को कार्रवाई के निर्देश दिए।

किशोरों के शत-प्रतिशत टीकाकरण के लक्ष्य को लेकर शुक्रवार को धर्मगुरुओं, शासकीय व निजी स्कूलों के प्राचार्य, स्वयंसेवी संस्थाओं की रवींद्र नाट्यगृह में बैठक रखी गई थी। बैठक में नगर निगम आयुक्त प्रतिभा पाल ने शहर के कुछ ऐसे निजी स्कूलों की सूची सामने रखी जिसमें बड़ी संख्या में 15 से 17 वर्ष के किशोरों को अब तक टीके नहीं लगे हैं। इनमें सेंट उमर, आइके गर्ल्स स्कूल, गोल्डन फ्यूचर, खान बहादुर स्कूल, सत्य साईं विद्या विहार, सेंट अर्नाल्ड स्कूल आदि शामिल हैं। स्कूलों की इस लापरवाही पर कलेक्टर ने नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि टीकाकरण अभियान को स्कूल हल्के में न लें। जो स्कूल जानबूझकर अपने बच्चों का टीकाकरण नहीं करवा रहे हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में सांसद शंकर लालवानी ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं और उनका भविष्य सुरक्षित करने के लिए वैक्सीनेशन जरूरी है। आपदा प्रबंधन समिति के चिकित्सक डा. निशांत खरे ने कहा कि टीके के बाद ही बच्चों की शैक्षणिक गतिविधियां सुचारू रूप से चल सकती हैं। अभिभावकों का दायित्व है कि वह अपने बच्चों को टीके जरूर लगवाएं। शहर काजी इशरत अली ने अपील की कि बच्चों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए वैक्सीन ही एक मात्र उपाय है, इसलिए सभी अपने बच्चों को टीका अवश्य लगवाएं।

बैठक का संचालन कर रहे समाजसेवी डा. अनिल भंडारी ने कहा कि भारत में युवा जनसंख्या सबसे ज्यादा है। यदि कोरोना से युवा और किशोर सुरक्षित रहेगा तो युवा शक्ति देश की उन्नति में लग सकेगी। इसलिए 15 से 17 साल के किशोरों का टीकाकरण हमें 31 जनवरी तक पूरा करना है। इसके बाद फरवरी में इन्हीं किशोरों के लिए सेकंड डोज लगाया जाएगा। बैठक में सीएमएचओ डा. बीएस सैत्या, जिला शिक्षा अधिकारी मंगलेश व्यास, स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

## उज्जैन की नीलगंगा पुलिस ने स्मैक की तस्करी करते दो लोगों को पकड़ा

उज्जैन। उज्जैन शहर की नीलगंगा पुलिस ने शुक्रवार देर रात दो स्मैक तस्करों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 25 ग्राम स्मैक बरामद की गई है, जिसकी कीमत ढाई लाख रुपये बताई जा रही है। नीलगंगा थाना प्रभारी तरुण कुरील को मुखबिर से सूचना मिली थी कि हरिफाटक ब्रिज के नीचे एक व्यक्ति जावरा की ओर से स्मैक लेकर आने वाला। यह भी सूचना थी कि वह इंदौर निवासी दूसरे व्यक्ति को स्मैक सप्लाय करेगा। जांच और तस्दीक के बाद शुक्रवार रात पुलिस ने हरिफाटक ब्रिज के नीचे दो व्यक्तियों को स्मैक के साथ गिरफ्तार कर लिया। एक आरोपी ने अपना नाम दिनेश हंस निवासी ढोढर जिला रतलाम बताया है। पुलिस ने उसके पास से 10 ग्राम स्मैक व एक बाइक जब्त की है। दूसरा आरोपित दीपेश राजगुरु है जो कि इंदौर के मरीमाता चौराहा के पास वृंदावन कालोनी का रहने वाला है। पुलिस ने दीपेश राजगुरु के पास से 15 ग्राम स्मैक बरामद की है। आरोपितों से पूछताछ में पता चला है कि स्मैक तस्कर इंदौर में स्मैक सप्लाय करने के लिए उज्जैन तक डिलेवरी देने आते हैं।

राजस्थान से लाता था मादक पदार्थ : ढोढर रतलाम निवासी आरोपित दिनेश ने पूछताछ में बताया कि वह कोठड़ी जिला प्रतापगढ राजस्थान से स्मैक लाया था। ग्राम कोठड़ी से स्मैक की व्यापक तस्करी होती है। पुलिस ग्राम कोठड़ी के तस्करों की जानकारी जुटाने में लगी है।

## पड़ोसी की हत्या का चौथा आरोपित भी गिरफ्तार

उज्जैन। चिंतामन थाना क्षेत्र के टकवासा में बुधवार रात को एक युवक की लाठी से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। मामले में चिंतामन पुलिस ने शुक्रवार को चौथे आरोपित को भी गिरफ्तार कर लिया। शनिवार को चारों आरोपितों को पुलिस कोर्ट में पेश करेगी। टीआइ जीवन सिंह ने बताया कि ग्राम टकवासा में रहने वाला ओमप्रकाश पुत्र राधेश्याम बागरी उम्र 40 वर्ष बुधवार रात को शराब के नशे में घर पहुंचा था। इसके बाद उसने समीप रहने वाले मोहन बागरी के परिवार के सदस्यों को गालियां देना शुरू कर दिया। इससे आक्रोशित होकर मोहन बागरी, राहुल बागरी, विक्रम बागरी, जगदीश बागरी ने लाठी से ओमप्रकाश पर हमला कर दिया। इससे ओमप्रकाश की मौत हो गई थी। मामले में पुलिस ने मोहन, राहुल व विक्रम को गुरुवार को ही गिरफ्तार कर लिया था। शुक्रवार को चौथे आरोपित जगदीश को भी गिरफ्तार कर लिया। चारों को शनिवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

### युवक ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

उज्जैन। विनोद मिल की चाल निवासी युवक ने बेरोजगारी से तंग आकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मामले में देवासगेट पुलिस ने मर्ग कायम किया है। पुलिस ने बताया कि विनोद मिल की चाल निवासी सन्नी रायकवार उम्र 25 वर्ष ने गुरुवार रात को फांसी लगाकर आत्महत्या कर लीथी। मृतक की भाभी रानी ने उसे फंदे में लटके हुए देखा था। जिस पर उसने स्वजन व आसपास के लोगों को इसकी जानकारी दी। मृतक उद्योगपुरी में पावरलूम पर काम करता था।

## खबरें

### ओपन डेटा व जीनोम सिक्वेंसिंग के कारण कम समय में तैयार हो कोविड से बचाव का टीका- संभागायुक्त

## स्मार्ट सीड इक्यूबेशन सेंटर में 'ओपन डेटा दिवस' के मौके पर इंदौर स्मार्ट मैप का हुआ शुभारंभ।

**इंदौर।** किसी भी टीके को तैयार होने में साल दर साल लगते है लेकिन ओपन डेटा व जीनोम सिक्वेंसिंग के कारण कोविड वायरस से बचाव का टीका एक साल में तैयार हो सका। मार्च में जहां मप्र में कोविड के केस सामने आए थे वही जनवरी तक लोगों को टीके भी लगना शुरु हुए। सभी देश अपने-अपने यहां टीके को तैयार करने का काम कर रहे है उसके डेटा उपलब्ध होने के कारण कोविड से बचाव का टीका जल्द तैयार हो सका। ये बातें संभागायुक्त डा. पवन शर्मा ने शुक्रवार को स्मार्ट सिटी कंपनी द्वारा 'ओपन डेटा दिवस' के मौके पर स्मार्ट सीड इक्यूबेशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में कहे।

उन्होंने बताया कि कई बार कोई डेटा सीधे आपके लिए उपयोगी नहीं हो सकता है। कोरोना के दौरान प्रतिदिन का डेटा सार्वजनिक पटल पर दिया जा रहा है। इस डेटा का आम लोगों के जीवन पर भी असर पड़ता है। जब कोरोना के 100 मरीज प्रतिदिन निकलते है तब लोगों का निर्णय अलग रहता है। वही जब हर कोराना के 3 हजार मरीज निकलते है तो लोग बच्चों को घर में रखते है और बाहर निकलने पर मास्क भी अनिवार्य रुप से पहनते है। डेटा को अपडेट करना कोई बड़ी परेशानी नहीं है। आज जरुरी है कि सार्वजनिक प्लेटफार्म पर लोगों को सही डेटा उपलब्ध हो सके। कई बार डेटा के मिसयूज होने का डर रहा है इस वजह से भी सारा डेटा बाहर नहीं आ पाता है।

अब एक क्लिक में मिल जाती है खसरे की जानकारी: संभागायुक्त पवन शर्मा ने बताया कि पहले लोग अपने जमीन के खसरे की जानकारी लेने के लिए पटवारी के चक्कर काटते रहते थे लेकिन जब जमीनों के डेटा को आनलाइन पोर्टल पर किया गया तो अब एक क्लिक पर खसरे की जानकारी निकल जाती है। दिल्ली में कार्यरत रहने के दौरान हमने देखा कि पासपोर्ट विभाग को जन्म प्रमाण पत्र के वेरिफिकेशन की प्रकिया को पूरा करने में तीन से चार दिन तक पत्राचार का समय लगता था। हमने वहां पर जन्म व मृत्यु के डेटा को आनलाइन करवाया। इसका फायदा यह हुआ कि पासपोर्ट विभाग खुद ही आनलाइन जन्म प्रमाण का वेरिफिकेशन कर पाते है। इंदौर में जल्द ही आइडीए की इवेंटरी को ओपन सोर्स प्लेटफार्म पर उपलब्ध करवाएंगे। बिजली कंपनी को यह पता नहीं होता है निगम सीमा में कितने घर है और और निगम को यह पता नहीं रहता है कि कितने विद्युत कनेक्शन है।

दोनों विभागों के अलग-अलग डेटा होने से उनका मिलान नहीं हो पाता है। ऐसे में उनके लिए कामन की जरुरत है। कई मामलों में आधार कार्ड एक कामन की के रुप में काम करता है। कार्यक्रम में सांसद शंकर लालवानी ने बताया कि डेटा जीवन के हर क्षेत्र में आवश्यक हो गया है। यदि आपके पास डेटा उपलब्ध है तो आनलाइन सारी चीजों को देख निर्णय ले सकते है। स्मार्ट सिटी द्वारा इंदौर स्मार्ट मैप के माध्यम से स्कूल, हास्पिटल, बैंक की अहम जानकारी उपलब्ध करवाई है। इंदौर का मास्टर प्लान बनाने के लिए इसरो के डिजिटल मैप पर उपलब्ध डेटा का उपयोग किया गया था।

इंदौर स्मार्ट मैप का हुआ शुभारंभ : स्मार्ट सिटी द्वारा बनाए गए जीआईएस आधारित इंदौर स्मार्ट मैप का शुभारंभ शुक्रवार को किया गया। इस मैप पर शहर की प्रमुख सड़के, प्रमुख शासकीय कार्यालय, होटल्स, पुलिस स्टेशन, एटीएम, बैंक की जानकारी है। इसके अलावा इस मैप पर राजवाड़ा, खजराना , गांधी हाल सहित प्रमुख ऐतिहासिक इमारतों के श्री डी माडल भी प्रस्तुत किए गए है। इस मैप पर उपलब्ध डेटा का उपयो शहरवासी व शहर के बाहर के लोग भी रिसर्च व अन्य कार्य में कर सकेंगे।

### दवाओं के कच्चे माल पर होगा क्यूआर कोड अनिवार्य

**इंदौर।** दवाओं के कच्चे माल (एपीआइ) पर अब क्यूआर कोड अनिवार्य तौर पर छापा जाएगा। केंद्र सरकार ने इस बारे में अधिसूचना जारी कर दी है। इस नियम के प्रभाव से नकली दवाओं के निर्माण और अमानक कच्चे माल की आपूर्ति पर अंकुश लगने की उम्मीद की जा रही है। ताजा नियम से दवा निर्माता राहत महसूस कर रहे हैं। इस बीच मांग उठी है कि क्यूआर कोड के नियम को निर्मित दवाओं पर भी अनिवार्य रूप से लागू कर दिया जाए।यदि निर्मित दवाओं पर नियम लागू हुआ तो उपभोक्ता कुछ सेकंड में अपने मोबाइल से असली-नकली दवाओं की पहचान कर सकेंगे।

बेसिक ड्रग डीलर्स एसोसिएशन मप्र ने करीब डेढ़ साल पहले सरकार से मांग की थी कि दवा के कच्चे माल पर क्यू आर कोड लागू होना चाहिए। दरअसल दवाओं का कच्चा माल यानी एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रेडिएंट (एपीआइ) काफी महंगा होता है। देश में ज्यादातर एपीआइ चीन जैसे देशों से आयात हो रहा है। प्रदेश की छोटी-मध्यम दवा निर्माता कंपनियां और सप्लायर के बीच एपीआइ को लेकर बीते दिनों से काफी विवाद सामने आ रहे थे। इस बीच नकली एपीआइ बनाने वाले और मिलावटखोर भी इसका फायदा उठाने लगे थे।एपीआइ निर्माता माल डिस्ट्रीब्यूटर को भेजते हैं और वहां से कंपनियों में दवा निर्माण के लिए जाता है। दवा निर्माण के पहले संबंधित कंपनी उस एपीआइ को टेस्ट करती है। ऐसे टेस्ट में कई बार एपीआइ फेल हो जाता है।

# सम्पादकीय

## सदियों पुरानी है ग्वालियर की सांगीतिक विरासत

भारतीय शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में ग्वालियर की सांगीतिक विरासत सदियों पुरानी हैं। कलाप्रिय राजा मानसिंह तोमर के शासनकाल या संभवत- उससे पहले ही आरंभ हुए 'ग्वालियर घराने' ने देश को ब्रम्हनाद के एक से एक बड़े साधक दिए हैं। संगीत मनीषी बैजू बावरा, कर्ण और महमूद जैसे ग्वालियर के महान संगीताचार्यों से राजा मानसिंह की राजसभा सुशोभित रहती थी। वहीं मुगल बादशाह अकबर के दरबार में भी राजा मानसिंह की संगीत टकसाल से निकले संगीत शिरोमणि तानसेन सहित अन्य मूर्धन्य गान मनीषियों के संगीत का जादू छाया रहता था। ग्वालियर की सांगीतिक परंपरा के तमाम प्रमाणों से ऐतिहासिक ग्रंथ भरे पड़े हैं। आइन-ए-अकबरी में अबुल फज़्ल ने लिखा है कि मुगल बादशाह अकबर की छत्तीसी में जो 36 महान संगीतकार शामिल थे, उनमें तानसेन सहित 16 संगीतकार ग्वालियर के थे। अबुल फज़्ल लिखते हैं कि कंठ संगीत में अद्वितीय तानसेन अकबर दरबार में संगीत विभाग के प्रमुख थे। उनके जैसा गायक हिन्दुस्तान में पिछले हजार वर्षों में कोई दूसरा नहीं हुआ। अकबर की छत्तीसी में तानसेन के अलावा ग्वालियर के जो संगीतकार सुशोभित थे उनमें बाबा रामदास, सुभान खाँ, मियाँ चाँद (तानसेन का शिष्य), विचित्र खाँ, वीर मण्डल खाँ, शिहाब खाँ, सरोद खाँ, मियाँ लाल, तानतरंग (तानसेन का पुत्र), नायब चर्चू, प्रवीण खाँ, सूरदास, चाँद खाँ एवं रंग सेन शामिल हैं।

ग्वालियर के सांगीतिक वैभव के बारे में तमाम इतिहासकारों ने शिद्दत के साथ लिखा है। उर्दू इतिहासकार फरिस्ता ने ग्रंथ 'तारीख-ए-फरिस्ता' में लिखा है कि ग्वालियर में संगीत का प्रादुर्भाव मालचंद द्वारा भी किया गया। मालचंद के बारे में किवदन्तियाँ प्रचलित हैं, कि वह दक्षिण भारत के शास्त्रीय संगीत को ग्वालियर लाया। मालचंद ने लंबे समय तक ग्वालियर में साधना की। उसके साथ ग्वालियर आए तलिंगी संगीतकारों के वंशज पूरे उत्तर भारत में फैल गए। राजा मानसिंह तोमर के राज्यकाल में ग्वालियर का सांगीतिक वैभव अपने चरमोत्कर्ष पर पहुँच गया।

तोमर राजवंश द्वारा संगीत की विकास यात्रा में दिए गए योगदान के ऐतिहासिक प्रमाण ख्वाजा नजीमुद्दीन अहमद द्वारा लिखित 'तबाकात-ए-अकबरी' में भी मिलते हैं। इस किताब में उल्लेख है कि तोमर वंशी राजा डूंगर सिंह और कश्मीर के शासक जैन-उल-आबेदीन के बीच संगीत संबंधी ग्रंथों का आदान-प्रदान हुआ था। पन्द्रहवीं शताब्दी में राजा मानसिंह के प्रोत्साहन से ग्वालियर संगीत कला का विख्यात केन्द्र बना। राजा मानसिंह स्वयं भी संगीत के महान पारखी थे। उन्हें संगीत साधना में अपनी प्रेयसी रानी मृगनयनी से भी बहुत सहायता मिलती थी। मृगनयनी की यादगार के रूप में चार रागों का सृजन भी हुआ। इन रागों को मृगनयनी के नाम के आधार पर गूजरी, बहुल गूजरी, माल गूजरी और मंगल गूजरी कहा गया।राजा मानसिंह ने 'मानकुतूहल' नामक एक संगीत ग्रंथ की रचना भी की। इस ग्रंथ में राजा मानसिंह द्वारा एक विशाल संगीत सम्मेलन कराए जाने का उल्लेख भी मिलता है। अबुल फजल द्वारा लिखी गई प्रसिद्ध पुस्तक 'आइन-ए-अकबरी' में जिक्र है कि राजा मानसिंह द्वारा आयोजित सम्मेलन में राजदरबार के कलाकारों अर्थात नायक, बख्शू, मच्चू और भानु ने ऐसे गीतों का संकलन किया जो भारतीय संस्कृति की गंगा-जमुनी तहजीब के परिचायक थे। राजा मानसिंह तोमर ने अपने राजदरबार के महान संगीताचार्यों बैजू बावरा, कर्ण और महमूद आदि के सहयोग से संगीत की ध्रुपद गायकी का आविष्कार और प्रचार किया था। राजदरबार में बख्शू, घोन्डी और चरजू के नामों का भी उल्लेख मिलता है। एम सी गांगुली द्वारा रचित 'रागज एण्ड रागनीज' पुस्तक में उल्लेख है कि इन्हीं तीनों कलाकारों द्वारा रागों के भण्डार में एक नए प्रकार के मल्हार का प्रणयन किया, जो बख्शु की मल्हार, धोन्डिया की मल्हार और चाजू की मल्हार के नाम से मशहूर हुई।

ध्रुपद, धमार, ख्याल, टप्पा, ठुमरी, दादरा, लेदा, गजल, तराना, त्रिपट और चतुरंग आदि संगीत शैलियाँ ग्वालियर घराने की प्रमुख विशेषताएँ हैं। राजा मानसिंह द्वारा पोषित संगीत घराने की विशेषता यह थी कि उसने उत्तर भारत के लोकप्रिय लोक संगीत को अंगीकार किया और उसे उच्च कोटि के वैविध्यपूर्ण संगीत के रूप में सजाया। इससे लोक रागों, शास्त्रीय रागों और संगीत की पारंपरिक विविधता को एक नई और ओजस्वी अभिव्यक्ति मिली। इस घराने ने संगीत की ध्रुपद नामक एक नई शैली की आधारशिला रखी, जो तानसेन का जादू भरा स्पर्श पाकर लोकप्रियता के उच्च शिखर तक पहुँची। संगीत सम्राट तानसेन ने जहाँ 'मियाँ की तोड़ी 'जैसे राग का आविष्कार किया वहीं पुराने रागों में परिवर्तन कर कई नई - नई सुमधुर रागनियों को जन्म दिया। तानसेन द्वारा रचे हुए 'संगीत सार' और 'राग माला' ग्रंथ भी उनके संगीत सिद्धांत विषयक ज्ञान के परिचायक हैं।

## झुंझलाकर बता दिया था खुद को यूपी में सीएम का चेहरा, प्रियंका ने दे दिया ये जवाब

**लखनऊ।** प्रियंका गांधी ने कहा कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव कांग्रेस अकेले दम पर लड़ेगी। वहीं मुख्यमंत्री पद के लिए चेहरा कौन होगा, इस पर प्रियंका गांधी ने अपनी राय बताई। प्रियंका गांधी ने गठबंधन के लिए भी कांग्रेस के दरवाजे खुले होने की बात कही है।

उत्तर प्रदेश में कांग्रेस पार्टी की तरफ से मुख्यमंत्री (ष्टश्ठ्ठद्दह्ड्ढह्यह्य ष्टरू द्धड्डष्ड्ड) का चेहरा कौन होगा, इस पर राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी (क्कह्द्ब4ड्ढठ्ठद्मड्ड द्दड्डठ्ठस्त्रद्धद्ब) ने जवाब दिया। प्रियंका गांधी ने पहले तो झुंझलाकर कह दिया कि वह भी सीएम चेहरा हो सकती है। हालांकि उन्होंने बाद में स्पष्ट किया कि पार्टी मुख्यमंत्री का चेहरा तय करेगी। यह कांग्रेस पार्टी का तरीका है। इस दौरान प्रियंका गांधी ने विपक्षियों पर भी हमला किया। उन्होंने कहा कि सभी राजनीतिक दल असलियत को छुपाकर चुनाव के समय जाति, सांप्रदायिकता पर आधारित मुद्दे उठा रहे हैं। वह उत्तर प्रदेश (ह्लह्लड्डह्र श्चह्ड्डस्त्रद्गह्यद्ध) के विकास की बात नहीं करना चाहते हैं। इससे प्रदेश की जनता को नुकसान होगा और फायदा सिर्फ राजनीतिक दलों को होगा। प्रियंका गांधी ने कहा कांग्रेस जनता की आवाज उठा रही है। कांग्रेस ने विकास, बेरोजगारी, महंगाई, महिलाओं की सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाया है। चुनाव में इन पर चर्चा अहम है।

प्रियंका गांधी ने योगी सरकार पर हमला करते हुए पूछा कि इस सरकार में ने बेरोजगारों और नौजवानों के लिए क्या किया है। यह चुनाव आने पर 25 लाख नौकरियां देने का दावा करते हैं। लेकिन कभी ये नहीं बताया कि नौकरियां कैसे लाएंगे और देंगे। प्रियंका ने दावा किया कि कांग्रेस सरकार बनने पर 20 लाख नौकरियां दी जाएंगी। उन्होंने कहा कि हमने नौकरी का दावा हवा में नहीं किया। इसके लिए पूरा घोषणापत्र निकाला है।

योगी सरकार के पास पहले समय नहीं था?

प्रियंका गांधी ने यूपी की योगी सरकार पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि पांच साल से उत्तर प्रदेश में इनकी सरकार है, इनको पिछला महीना ही हवाईअड्डे, हाईवे का उद्घाटन करने और नई इंडस्ट्री लगाने के लिए के लिए मिला। प्रियंका ने कहा कि क्या इससे पहले योगी सरकार के पास समय नहीं था। उन्होंने कहा कि चुनाव के सिर्फ एक महीने पहले प्रदेश सरकार घोषणाएं कर रही है। यही करना था तो ठोस तरह से करना चाहिए था।

**सपा और अखिलेश यादव पर प्रियंका का हमला :** प्रियंका गांधी ने अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी पर कहा कि जब एक पार्टी सिर्फ 100 या 200 सीटों पर चुनाव लड़ती है, तो ये बात साफ है कि वह बची सीटों पर कमजोर है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लिए अकेले चुनाव लड़ना और खुद को सशक्त बनाना बहुत जरूरी था।

वहीं प्रियंका गांधी ने कहा कि बिना नाम लिए बसपा और मायावती पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि चुनाव भी आ गया, फिर भी वो (मायावती) सक्रिय नहीं हुईं। प्रियंका ने बसपा पर बीजेपी सरकार के दबाव की आशंका जताई।

**कांग्रेस गठबंधन पर नहीं हुई चर्चा :** प्रियंका गांधी ने चुनाव से पहले गठबंधन के भी संकेत दिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस किसी भी तरह की चर्चा के लिए तैयार थी, लेकिन ऐसी कोई चर्चा नहीं हो सकी। उन्होंने कहा कि अब कांग्रेस अकेले चुनाव लड़ रही है। उन्होंने कहा कि काफी समय से यूपी में बहुत ज्यादा सीटों पर कांग्रेस ने चुनाव नहीं लड़ा है। अब यह कांग्रेस के अकेले चुनाव लड़ने के लिए काफी अच्छा है।

**बीजेपी के लिए कांग्रेस का दरवाजा है बंद :** प्रियंका गांधी ने गठबंध के सवाल पर कहा कि बीजेपी के लिए यह दरवाजे एक दम बंद हैं, बाकी पार्टियों का स्वागत है। लेकिन उन्होंने समाजवादी पार्टी से दूरी भी साफ बता दी है। प्रियंका ने कहा कि समाजवादी पार्टी और बीजेपी तक एक ही बिसात पर खेल रहे हैं, क्योंकि दोनों का फायदा एक तरह की राजनीति से हो रहा है।

**अमर जवान ज्योति पर घेरा :** प्रियंका गांधी ने बीजेपी और केंद्र सरकार को अमर जवान ज्योति के मुद्दे पर भी घेरा। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा समझ नहीं आती। इतने सालों बाद अब ये अमर जवान ज्योति को बुझाकर कहीं और ले जाकर करना क्या चाहते हैं।

SAAP SOLUTION
Explore New Digital World
All Types of Website Designing
Business Promotion, Lease Website
Industrial Product Promotion through industrialproduct.in
Get 2GB corporate mail account @ Rs 1500/- Per Annum per mail account with advance sharing feature
Logo Designing by Experts
Bulk SMS Services
For more details visit our website saapsolution.com
For enquires contact on 9425313619,
Email: info@saapsolution.com

# सरोगेसी प्रेगनेंसी क्या है? भारत में कपल और मां के लिए क्या हैं इससे जुड़े नियम

प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस के घर एक नन्हे मेहमान ने दस्तक दी है। यह गुड न्यूज पीसी ने अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट की. जिसके बाद से कई सेलिब्रिटीज और स्टार कपल के फैन्स उन्हें गुड विशेज दे रहे हैं। प्रियंका ने इंस्टाग्राम पर नोट लिखा है. प्रियंका ने लिखा, 'हमें यह कन्फर्म करते हुए बहुत खुशी हो रही है कि हमने सरोगेट के जरिए एक बच्चे का स्वागत किया है। इस खास मौके पर हम पूरे सम्मान के साथ आपसे प्राइवेसी की मांग कर रहे हैं, जिससे कि क्योंकि हम अपने परिवार पर ध्यान दे सकें। बहुत-बहुत धन्यवाद।'

प्रियंका से पहले कई बॉलीवुड सितारे सरोगेसी से पैरेंट बन चुके हैं. जिनमें प्रीति जिंटा, शिल्पा शेट्टी, शाहरुख खान, आमिर खान, करण जौहर, एकता कपूर और तुषार कपूर जैसे स्टार शामिल हैं। ऐसे में कई लोग ऐसे हैं जिन्हें सरोगेसी क्या है, इस ट्रेंड का पता तो है लेकिन इसके बारे में पूरी जानकारी नहीं है. आइए, जान लेते हैं कि सरोगेसी प्रेगनेंसी क्या है और भारत में सेरोगेसी से पैरेंट बनने के क्या नियम हैं?

### सरोगेसी क्या है?

बच्चा पैदा करने के लिए जब कोई कपल किसी दूसरी महिला की कोख किराए पर लेता है, तो इस प्रक्रिया को सरोगेसी कहा जाता है,यानी सरोगेसी में कोई महिला अपने या फिर डोनर के एग्स के जरिए किसी दूसरे कपल के लिए प्रेग्नेंट होती है। सरोगेसी से बच्चा पैदा करने के पीछे कई वजहें होती हैं. जैसे कि कपल को कोई मेडिकल प्रॉब्लम, प्रेगनेंसी से महिला की जान को खतरा या फिर किसी वजह से महिला खुद प्रेगनेंट नहीं होना चाहती। अपने पेट में दूसरे का बच्चा पालने वाली महिला को सरोगेट मदर कहा जाता है।

**क्या होता है सेरोगेसी एग्रीमेंट:** सरोगेसी के लिए एक बच्चे की चाह रखने वाले कपल और सरोगेट मदर के बीच एक एग्रीमेंट किया जाता है, जिसमें प्रेगनेंसी से पैदा होने वाले बच्चे के लीगली माता-पिता सरोगेसी कराने वाले कपल ही होते हैं। सरोगेट मां को प्रेग्नेंसी के दौरान अपना ध्यान रखने और मेडिकल जरूरतों के लिए पैसे दिए जाते हैं। इसके अलावा भी बच्चे के जन्म लेने के बाद महिला की देखभाल और दूसरी जरूरतों के लिए पैसे या दूसरी मेडिकल सर्विस भी शामिल होती हैं। एग्रीमेंट में कपल अपने हिसाब से सेरोगेट मदर के लिए दूसरी सुविधाएं और नियम भी रख सकता है। बेसिक बातों से अलग दोनों पार्टी की रजामंदी के बाद ही सेरोगेसी एग्रीमेंट को कम्पलीट माना जाता है। इसमें आमतौर पर दोनों पक्ष अपने-अपने वकील भी हायर करते हैं, जिससे फ्यूचर में कोई परेशानी न हो।

सरोगेसी के दो प्रकार : सरोगेसी दो तरह की होती है। एक ट्रेडिशनल सरोगेसी जिसमें होने वाले पिता या डोनर का स्पर्म सरोगेट मदर के एग्स से मैच कराया जाता है। इस सरोगेसी में सरोगेट मदर ही बॉयोलॉजिकल मदर होती है और दूसरी जेस्टेशनल सरोगेसी जिसमें सरोगेट मदर का बच्चे से संबंध जेनेटिकली नहीं होता है। प्रेग्नेंसी में सरोगेट मदर के एग का इस्तेमाल नहीं होता है। इसमें सरोगेट मदर बच्चे की बायोलॉजिकल मां नहीं होती है। वह सिर्फ बच्चे को जन्म देती है। इसमें होने वाले पिता के स्पर्म और माता के एग्स का मेल या डोनर के स्पर्म और एग्स का मेल टेस्ट ट्यूब कराने के बाद इसे सरोगेट मदर के यूट्रस में प्रत्यारोपित किया जाता है।

**दो तरह की होती हैं सरोगेसी :** सरोगेसी दो तरह की होती है- एक ट्रेडिशनल सरोगेसी, जिसमें होने वाले पिता या डोनर का स्पर्म सरोगेट मदर के एग्स से मैच कराया जाता है। इस सरोगेसी में सरोगेट मदर ही बॉयोलॉजिकल मदर होती है। दूसरी- जेस्टेशनल सरोगेसी जिसमें सरोगेट मदर का बच्चे से रिलेशन जेनेटिकली नहीं होता है, यानी प्रेग्नेंसी में सरोगेट मदर के एग का इस्तेमाल नहीं होता है। इसमें सरोगेट मदर बच्चे की बायोलॉजिकल मां नहीं होती है। वे सिर्फ बच्चे को जन्म देती है। इसमें होने वाले पिता के स्पर्म और माता के एग्स का मेल या डोनर के स्पर्म और एग्स का मेल टेस्ट ट्यूब कराने के बाद इसे सरोगेट मदर के यूट्रस में ट्रांसप्लांट किया जाता है।

**भारत में सरोगेसी के नियम :** भारत में सरोगेसी के दुरुपयोग को रोकने के लिए कई नियम बनाए गए हैं। 2019 में ही कमर्शियल सरोगेसी पर बैन लगाया गया था। जिसके बाद सिर्फ मदद करने के लिए ही सरोगेसी का विकल्प खुला रह गया है। कमर्शियल सरोगेसी पर रोक लगाने के साथ ही नए बिल में अल्ट्रस्टिक सरोगेसी को लेकर भी नियमों को सख्त कर दिया गया था। इस बिल के अनुसार विदेशियों, सिंगल पैरेंट, तलाकशुदा कपल्स, लिव-इन पार्टनर्स और एलजीबीटी समुदाय से जुड़े लोगों के लिए सरोगेसी के रास्ते बंद कर दिए गए हैं। सरोगेसी के लिए सरोगेट मदर के पास मेडिकल रूप से फिट होने का सर्टिफिकेट होना चाहिए, तभी वह सरोगेट मां बन सकती है। वहीं सरोगेसी का सहारा लेने वाले कपल के पास इस बात का मेडिकल सर्टिफिकेट होना चाहिए कि वो इनफर्टाइल हैं। सरोगेसी रेगुलेशन बिल 2020 में कई तरह के सुधार किए गए। इसमें किसी भी %इच्छुक% महिला को सरोगेट बनने की परमिशन दी गई थी।


आयुर्वेद व होमियोपैथी के अनुभवी डॉक्टरों द्वारा घर बैठे पायें उचित परामर्श व दवाईयां

आयुष समाधान

- सभी रोगों का अनुभवी डॉक्टरों द्वारा होमियोपैथी व आर्युवेद पद्धति से इलाज किया जाता है।
- रूपये 500/- से अधिक की दवाईयों पर निःशुल्क डिलेवरी
- किसी भी प्रकार की एलर्जी का इलाज किया जाता है।
- यौन रोगियों का सम्पूर्ण इलाज किया जाता है।
- रजिस्टर्ड डायटीशियन से वजन कम करने हेतु व अपने सही डाईट प्लान हेतु सम्पर्क करें

Email: info@ayushsamadhaan.com

www.ayushsamadhaan.com

FOR MORE DETAILS & BENIFITS VISIT OUR WEBSITE FOR REGISTRATION

# यूपी चुनाव से पहले इन स्कूलों में 7 हजार नौकरियों का तोहफा देगी योगी सरकार, गड़बड़ी रोकने के लिए होगा ये इंतजाम

उत्तर प्रदेश के 4500 से अधिक सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में प्रशिक्षित स्नातक (सहायक अध्यापक), प्रवक्ता और प्रधानाचार्यों के लगभग सात हजार पदों पर भर्ती की तैयारी है। प्रदेश सरकार विधानसभा चुनाव की अधिसूचना जारी होने से पहले नई भर्ती शुरू करना चाहती है।

यही कारण है कि 31 अक्तूबर तक 15 हजार से अधिक पदों पर भर्ती पूरी करने के तुरंत बाद उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड ने सभी जिला विद्यालय निरीक्षकों को पत्र लिखकर तीन से 12 दिसंबर तक ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से रिक्त पदों की जानकारी (अधियाचन) अपलोड करने के निर्देश दिए थे। सूत्रों के अनुसार प्रशिक्षित स्नातक (टीजीटी) और प्रवक्ता (पीजीटी) के पांच हजार रिक्त पदों की सूचना प्राप्त हुई है।

जबकि प्रधानाचार्यों के दो हजार से अधिक खाली पदों पर चयन होगा। टीजीटी-पीजीटी की भर्ती में अक्तूबर 2019 के बाद खाली हुए पदों को शामिल किया गया है। अक्तूबर 2019 से पहले तक के रिक्त पदों पर टीजीटी-पीजीटी 2021 के तहत भर्ती हो चुकी है। चयन बोर्ड की ओर से भर्ती के संबंध में शासन को प्रस्ताव भेजा जा रहा है। शासन की मंजूरी मिलने के बाद ऑनलाइन आवेदन लिए जाएंगे।

पीसीएस 22 के लिए आवेदन इसी माह के अंत से होंगे

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग नए साल में युवाओं के लिए दो बड़ी भर्ती शुरू करने जा रहा है। आयोग की सबसे प्रतिष्ठित सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (पीसीएस) परीक्षा 2022 के लिए जनवरी अंत तक आवेदन शुरू होंगे। आयोग के अध्यक्ष संजय श्रीनेत के अनुसार अब तक पीसीएस के 68 पदों के अधियाचन मिल चुके हैं। अधियाचन प्रेषित करने के लिए शासन से पत्राचार चल रहा है। अगले दस दिनों में स्टाफ नर्स पुरुष के तकरीबन 448 पदों पर भर्ती के लिए भी आवेदन लिए जाएंगे। अध्यक्ष ने मंगलवार को मीडिया से बताया कि आयोग समयबद्ध और पारदर्शी चयन के लिए प्रतिबद्ध है। परीक्षा शुरू होने के साथ भर्ती पूरी करने की तारीख भी तय की जा रही है। इसी का नतीजा है कि भर्ती परीक्षाओं के परिणाम लगातार आ रहे हैं।

उन्होंने बताया कि परीक्षा केंद्रों के निर्धारण में पहले राजकीय, फिर सहायता प्राप्त और अंत में वित्तविहीन शिक्षण संस्थाओं को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए हैं। केंद्रों की जांच के लिए समुचित निर्देश बनाए गए हैं ताकि संदिग्ध या दागी संस्थाओं में परीक्षा की आशंका न रहे।

इसके बावजूद जिन केंद्रों पर गड़बड़ी मिलेगी उन्हें हमेशा के लिए डिबार करके एफआईआर कराई जाएगी। गलत प्रश्न होने पर विशेषज्ञ को हमेशा के लिए डिबार किया जाएगा। स्केलिंग या मॉडरेशन के लिए उच्च स्तरीय कमेटी बनाएंगे, जिसमें संघ लोक सेवा आयोग के विशेषज्ञों को भी शामिल किया जाएगा।

परीक्षा से 48 घंटे पहले पता चलेगा केंद्र का नाम

भर्ती परीक्षाओं में किसी प्रकार की धांधली या गड़बड़ी की आशंका खत्म करने के उद्देश्य से लोक सेवा आयोग अभ्यर्थियों को परीक्षा से 48 घंटे पहले केंद्र का नाम बताएगा। आयोग परीक्षा से दो सप्ताह पहले प्रवेश पत्र जारी करता है। प्रवेश पत्र में शहर का नाम और केंद्र का कोड तो रहेगा लेकिन कहां संबंधित अभ्यर्थी की परीक्षा होगी, इसकी जानकारी 48 घंटे पहले दी जाएगी। अभ्यर्थी को ई-मेल, मोबाइल पर एसएमएस और आयोग की वेबसाइट से केंद्रों की सूचना दी जाएगी।

**कोई भी भर्ती प्रक्रिया नहीं होगी एकल स्तरीय**

अध्यक्ष संजय श्रीनेत के अनुसार कोई भी चयन प्रक्रिया सीधी या एकल स्तरीय नहीं होगी। गड़बड़ी की आशंका खत्म करने के लिए आयोग चयन प्रक्रिया को दो या तीन स्तरीय करने जा रहा है। एकल स्तरीय परीक्षाओं में लोग अनुचित साधन से पास होने का प्रयास करते हैं।

**आठ साल बाद होगी प्रधानाचार्यों की भर्ती**

प्रधानाचार्यों के पदों पर भर्ती के लिए आठ साल बाद प्रक्रिया शुरू होने जा रही है। इससे पहले चयन बोर्ड ने 31 दिसंबर 2013 को प्रधानाचार्यों के 599 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन मांगे थे। उसके बाद से टीजीटी-पीजीटी 2016 और 2021 भर्ती कराई गई, लेकिन प्रधानाचार्य का विज्ञापन जारी नहीं हो सका था। अक्तूबर 2019 तक चयन बोर्ड को प्रधानाचार्य के 1453 रिक्त पदों की सूचना मिली थी। 500 से अधिक पद और खाली होने की जानकारी मिली है। प्रधानाचार्यों की भर्ती लिखित परीक्षा के माध्यम से कराने की तैयारी चल रही है।

# सैमसंग ने भारत में लॉन्च किया नया स्मार्टफोन, जानिए गैलेक्सी S21 FE 5G की खासियत और कीमत



सैमसंग ने भारत में अपना पहला 2022 फ्लैगशिप मोबाइल फोन, गैलेक्सी S21 FE 5G लॉन्च किया। त्ड्डघ्ड्ड×4 स्21 स्त्रश्च 5त्न स्लीक और स्लिम डिजाइन में आता है। इसकी थिकनेस 7.9द्बद्ब है। यह स्मार्टफोन 11 जनवरी 2022 से Samsung.com समेत तमाम ऑनलाइन शॉपिंग पोर्टल पर उपलब्ध होगा। शुरुआती में फोन की खरीद पर डिस्काउंट भी मिलेगा, लेकिन ये ऑफर 11 जनवरी से 17 जनवरी 2022 तक ही वैध रहेंगे। सैमसंग गैलेक्सी S21 FE 5G स्मार्टफोन दो वैरिएंट में उपलब्ध होगा और इसकी कीमत 50 हजार से 54 हजार के बीच रखी गई है।

**सैमसंग गैलेक्सी S21 FE 5Gफीचर्स**

यह फोन 4 शानदार कलर ऑप्शन Olive, Lavender, White और Graphite में आता है। इस स्मार्टफोन में 6.4 इंच की फुल एचडी प्लस, डायनमिक एमोलेड 2X डिस्प्ले दी गई है। इसका रिफ्रेस्ड रेट 120H5 है। जबकि टच सैंपलिंग रेट 240H5 है।

**डिस्प्ले और प्रोसेसर :** सैमसंग गैलेक्सी S21 FE 5G स्मार्टफोन में 5ठ्ठद्ब बेस्ड ऑक्टा-कोर स्नैपड्रैगन 888 प्रोसेसर का इस्तेमाल किया गया है। फोन एंड्राइड 12 बेस्ड One UI 4 पर काम करता है। इस फोन में IP68 वाटर और डस्ट रेजिस्टेंस रेटिंग है।

**कैमरा :** सैमसंग गैलेक्सी S21 FE में ट्रिपल रियर कैमरा सेटअप है। जिसमें 12 मेगापिक्सल का अल्ट्रावाइड लेंस, 12 मेगापिक्सल का प्राइमरी लेंस और 8 मेगापिक्सल का टेलीफोटो लेंस मिलता है। सेल्फी के लिए इसमें 32 मेगापिक्सल का दमदार फ्रंट कैमरा है। रियर कैमरा में शानदार अनुभव के लिए डुअल रिकॉर्डिंग, पोर्ट्रेट मोड, एन्हांस्ड नाइट मोड और 30X स्पेस जूम जैसे फीचर्स हैं। इसका कैमरा 120H5 रिफ्रेश रेट और Android 12 जैसे फीचर्स के साथ आता है।

बैटरी, स्टोरेज और कीमत

यह फोन 4,500mAh बैटरी सपोर्ट के साथ आता है। जिसे 25W वायर्ड और 15W वायरलेस चार्जिंग सपोर्ट के साथ इस्तेमाल किया जा सकता है। ये दो वैरिएंट में आता है। पहला 8 GB रैम और 128 GB स्टोरेज के साथ है, जिसकी कीमत 49,999 रुपये रखी गई है। वहीं दूसरा वेरिएंट 8 GB रैम और 256 GB स्टोरेज के साथ आता है और इसकी कीमत 53,999 रुपये रखी गई है।


SWATI
Tuition Classes
Don't waste time Rush
Immediately for
Coming Session 2017-2018
Personalized
Tuition
up to
7th Class
for
All Subjets
Special Classes
for
Sanskrit
Contact: Swati Tuition Classes
Sagar Premium Tower, D-Block, Flat No. 007
Mobile : 9425313620, 9425313619

# मुंबई की 20 मंजिला इमारत में भीषण आग!

**मुंबई।** महाराष्ट्र की राजधान मुंबई में के कमला बिल्डिंग (Kamala Building) में भीषण आग लग गई। इस हादसे में कम से कम 7 लोगों की मौत हुई है। दमकल विभाग ने बताया कि आग 18वीं मंजिल पर लगी थी। आग पर फिलहाल काबू कर लिया गया है। 20 मंजिला इस इमारत में आग लगने के बाद लोग बदहवास होकर नीचे भागे थे। 12 घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

दमकल विभाग ने बताया कि इस हादसे में 19 लोगों को बचाया गया था। हालांकि अस्पताल में 7 लोगों को मृत घोषित कर दिया गया। 12 घायलों का भाटिया अस्पताल में इलाज चल रहा है। जबकि चार लोगों को मुंबई के नायर अस्पताल में ले जाया गया था। नायर अस्पताल में दो लोगों की मौत हुई है, वहीं कस्तूरबा अस्पताल में एक व्यक्ति की मौत हुई है। मुंबई की मेयर किशोरी पेडनेकर के हवाले से कहा कि किसी अपार्टमेंट के एयरकंडीशनर में शॉर्ट-सर्किट से आग लगी। इमारत में रहने वालों ने कहा कि आग लगते ही पूरी बिल्डिंग धुएं से भर गई। रिपोर्ट्स के अनुसार, 90 से ज्यादा लोग खुद से या पड़ोसियों की मदद से बाहर निकले।

इस घटना के बाद इलाके विधायक और मुंबई की मेयर भी घटनास्थल पर पहुंची। दमकल विभाग ने लगातार राहत और बचाव कार्य जारी रखे हुए है। इमारत में रहने वाले लोगों ने बताया कि चारों तरफ धुआं फैल गया था और जान बचाकर नीचे की तरफ भागे थे।

### प्रदेश के कई हिस्सों में आज गरज-चमक के साथ बारिश के आसार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में एक बार फिर आज मौसम में बदलाव के आसार है। कई हिस्सों में गरज चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। उत्तरी छत्तीसगढ़ के कुछ ज़िलों में बारिश के आसार है। मौसम विभाग के अनुसार 22 जनवरी की शाम और रात में सरगुजा संभाग और उससे लगे बिलासपुर संभाग के जिलों में एक-दो स्थानों पर हल्की वर्षा होने की संभावना है। मौसम विभाग ने यहां गरज चमक के साथ आकाशीय बिजली गिरने की भी संभावना जताई है।

सरगुजा और बिलासपुर संभाग के जिलों में 23 जनवरी को भी कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा और एक-दो स्थानों में गरज चमक के साथ ओलावृष्टि की संभावना जतायी गई है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार दुर्ग और रायपुर संभाग के उत्तर में स्थित जिलों में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की सम्भावना है। दुर्ग और रायपुर संभाग के शेष भाग और बस्तर संभाग के उत्तर भाग में एक दो स्थानों पर हल्की वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छीटें पड़ सकते हैं।

### इंडोनेशिया से पाम तेल आयात घटने की आशंका, सोया तेल में तेजी का दौर जारी

इंदौर। इंडोनेशिया द्वारा अपने नए बायो डीजल के परीक्षण की घोषणा की गई है। बायो डीजल में पाम तेल का उपयोग बढ़ने की उम्मीद है। इंडोनेशिया द्वारा पाम निर्यात पर भी नियंत्रण के नियम जारी किए थे। इससे बाजार में हवा है कि भारत में पाम तेल आयात में परेशानी हो सकती है। मलेशिया में भी पाम तेल पांच सप्ताह के रिकार्ड स्तर 5231 रिंगिट पर कारोबार कर रहा है। आयातक पाम तेल की जगह साफ्ट तेल जैसे सोया तेल, सूरजमुखी तेल आयात कर सकते हैं। कुल आयात मात्रा में से भारत इंडोनेशिया से 60 फीसदी पाम तेल और शेष मात्रा मलेशिया से करता है। अगर इंडोनेशिया से पाम तेल सप्लाई प्रभावित हुई तो मजबूरन मलेशिया के साथ भारत आयात सौदे करेगा जिससे मलेशिया में पाम तेल की कीमतें और बढ़ेंगी। वैसे भी दक्षिण एशिया देशों में कंटेनर की कमी व किराया भाड़ा भी अधिक है यानी आयात पड़तल ऊंचा बैठेगा।

भारतीय आयातकों का ध्यान सोया, सूरजमुखी तेल की ओर बढ़ेगा, भारतीय आयातकों की पूछपरख बढ़ी तो यूक्रेन में सूरजमुखी व ब्राजील में सोया तेल की कीमतें बढ़ेंगी, वैसे भी इन देशों में उत्पादन घटने के कारण बाजार पहले से ऊंचे हैं। भारत की डिमांड आई तो अंतरराष्ट्रीय बाजारों को समर्थन जरूर मिलेगा। इधर, भारतीय बाजार में फिलहाल सोया तेल की सप्लाई टाइट रहने से कीमतों में तेजी जारी रही। शुक्रवार को इंदौर में सोया तेल 10 रुपये बढ़कर 1225-1227 रुपये प्रति दस किलो पर पहुंच गया।

लूज तेल (प्रति दस किलो) - इंदौर मूंगफली तेल 1320-1340, मुंबई मूंगफली तेल 1320, इंदौर सोयाबीन रिफाइंड 1225-1227, इंदौर सोयाबीन साल्वेंट 1185- 1190, मुंबई सोया रिफाइंड 1225, मुंबई पाम तेल 1175, इंदौर पाम 1258, राजकोट तेलिया 2060, गुजरात लूज 1275, कपास्या तेल इंदौर 1205 रुपये।

तिलहन - सरसों 7000 से 7100, रायड़ा 6000 से 6300, सोयाबीन 6200 से 6400 रुपये क्विंटल। सोयाबीन डीओसी स्पाट 52500 से 55500 रुपये टन।

प्लांटों के सोयाबीन भाव - अवि 6400, प्रकाश 6475, सोनिक 6450, महेश 6475, रुचि 6450, कृति 6450, प्रेस्टिज 6500, लक्ष्मी 6450, महाकाली 6500, सांवरिया 6400, इटारसी 6500, एमएस 6500, धानुका 6425, सालासर 6500, अंबिका 6500, खंडवा 6500, रामा 6450 व शांति 6450 रुपये।

कपास्या खली (60 किलो भरती) बिना टैक्स भाव - इंदौर 2175 देवास 2175, उज्जैन 21750, खंडवा 2150, बुरहानपुर 2150, अकोला 3225 रुपये।

# चौथी लिस्ट में भी ओबीसी-दलितों को साधा, जानिए बीजेपी ने किस जाति को दिए कितने टिकट

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी (BJP) ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के लिए जारी अपनी चौथी लिस्ट में भी दलितों और अन्य पिछड़े वर्ग (OBC) के उम्मीदवारों पर फोकस कायम रखा है। पार्टी की नई लिस्ट के 85 उम्मीदवारों में 49 इन्हीं दो वर्गों से हैं। इनमें 30 कैंडिडेट तो अकेले ओबीसी समुदाय के हैं जबकि शेष 19 टिकट दलितों को दिया गया है। उनमें भी ज्यादातर कोरी समुदाय के नेता हैं।

**85 में 73 सीटों पर जीती थी बीजेपी :** चुनाव लड़ने के लिए ऐच्छिक सेवानिवृत्ति योजना (VRS) के तहत भारतीय पुलिस सेवा (IPS) की नौकरी छोड़ने वाले असिम अरुण को बीजेपी ने कन्नौज सदर की सुरक्षित सीट से टिकट दिया। भाजपा ने शुक्रवार को जिन 85 सीटों के उम्मीदवार घोषित किए, इनमें पिछले चुनाव में 73 सीटें जीती थीं जिनमें से चार विधायक पाला बदलकर समाजवादी पार्टी में चले गए। बाकी 69 विधायकों में पार्टी ने 56 (80त्न से ज्यादा) को इस बार भी टिकट दिया है।

**85 में 29 ठाकुर-ब्राह्मण :** इन 85 की लिस्ट में अगड़ी जातियों के जो 29 उम्मीदवार तय किए गए हैं, उनमें 15 ठाकुर और 14 ब्राह्मण हैं। वहीं, चार वैश्य और तीन पंजाबियों को भी बीजेपी का टिकट हासिल हुआ है। ओबीसी में भी सबसे ज्यादा 10 टिकट लोध समुदाय को गया है, उसके बाद कुर्मी को सात जबकि निषाद और यादव को एक-एक टिकट दिया गया है। बीजेपी ने 11 टिकट मौर्या, कुशवाहा और शाक्य जैसी जातियों में बांटे हैं।

**पांच दलबदलुओं को भी बीजेपी का टिकट :** इसके अलावा, बीजेपी ने पांच दलबदलुओं को भी टिकट दिया है जिनमें दो कांग्रेस प्रमुख सोनिया गांधी के संसदीय क्षेत्र रायबरेली से आने वाले नेता हैं- एक रायबरेली सदर से अदिति सिंह और दूसरे हरचंदपुर से राकेश सिंह। इन दोनों ने भले ही हाल ही में कांग्रेस छोड़ा हो, लेकिन ये लंबे समय से बीजेपी का पक्ष लेते दिख रहे थे। राकेश के भाई दिनेश सिंह तो सोनिया गांधी के खिलाफ 2019 का लोकसभा चुनाव भी लड़ चुके हैं।

वहीं, बहुजन समाज पार्टी (BSP) का दमदार ब्राह्मण चेहरा, प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री और मौजूदा विधायक रामवीर उपाध्याय के साथ-साथ समाजवादी पार्टी (SP) से बीजेपी में आने वाले नितिन अग्रवाल एवं सिरसागंज से विधायक हरिओम यादव को भी टिकट दिया गया है। नितिन पूर्व मंत्री और सांसद नरेश अग्रवाल के बेटे हैं जबकि हरिओम, मुलायम सिंह यादव के रिश्तेदार हैं।

कैबिनेट मिनिस्टर सतीश महाना को कानपुर की महाराजपुर सीट से बीजेपी ने फिर से कैंडिडेट बनाया है जबकि योगी आदित्यनाथ सरकार में राज्य मंत्री नीलिमा कटियार, मन्नू कोरी और रणवेंद्र सिंह 'धुन्नी' को भी पार्टी का टिकट मिला है। तिलहर से विधायक रोशन लाल वर्मा के सपा में जाने के बाद बीजेपी ने सलोन कुशवाहा को यहां से अपना उम्मीदवार बनाया है।

# रैली और रोड शो पर जारी रहेगी रोक, चुनाव आयोग ने लिया बड़ा फैसला

नई दिल्ली. भारत निर्वाचन आयोग (Election Commission) ने पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर शनिवार को बैठक की. बैठक में चुनावी रैली, रोड शो, जुलूस पर पाबंदी जारी रखने का बड़ा फैसला लिया. सूत्रों के अनुसार आयोग ने कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलो और कोरोना वैक्सीनेशन की स्थिति को देखते हुए फिलहाल चुनावी रैली में पाबंदी को आगे बढ़ाने का फैसला लिया. आयोग की इस बैठक में मुख्य चुनाव आयुक्त के अलावा सभी आयुक्त और उपायुक्त भी शामिल हुए थे. इसके अतिरिक्त पांचों राज्यों के मुख्य निर्वाचन आयुक्तों ने भी आयोग की बैठक में फैसला लिया.

चुनाव आयोग की इस बैठक में पांचों राज्यों के केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव और मुख्य स्वास्थ्य सचिव वर्चुअल रूप से शामिल हुए. बैठक में कोरोना के हालात पर समीक्षा की गई जिसके बाद चुनावी रैली पर पाबंदी को बढ़ाने का फैसला लिया गया है. गौरतलब है कि नौ जनवरी को पांचों राज्यों के चुनानी कार्यक्रम की घोषणा के दौरान 15 जनवरी तक रैली, नुक्कड़ सभाओं, पद यात्रा, साइकिल रैली पर पूरी तरह से बैन लगा दिया था. 15 जनवरी को समीक्षा करने के बाद आयोग ने इस पाबंदी को लागू रखा, लेकिन राजनीतिक दलों को थोड़ी राहत देते हुए बंद कमरे में अधिकतम 300 लोग या फिर कमरे की 50 प्रतिशत क्षमता के साथ सभा आयोजित करने की अनुमति दी थी. सूत्रों का कहना है कि आज की बैठक में आयोग पाबंदी में कुछ छूट दे सकता है. बताया जा रहा है कि पाबंदी जारी रखने के पीछे अभी भी कई राज्यों में कोरोना वैक्सीनेशन की रफ्तार धीमी है. मणिपुर में टीकाकरण की स्थिति पर आयोग नाखुश है तो वहीं पंजाब में टीकाकरण की रफ्तार बढ़ी है लेकिन अभी राज्य अपने लक्ष्य के काफी पीछे है.वहीं गोवा, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड की टीकाकरण स्थिति में पहले से काफी सुधार आया है. उम्मीद है कि आयोग इस बार छोटी सभाओं और डोर-टू-डोर संपर्क में राजनीतिक दलों को राहत दे सकता है. सूत्रों की मानें तो पहले चरण के चुनाव का प्रचार इस बार भी पहले की ही तरह 72 घंटे पहले ही खत्म होगा और उम्मीद है कि इस बार इससे संभवत- एक सप्ताह पहले चुनावी रैली पर लगी पाबंदी को खत्म कर दिया जाएगा. हालांकि सूत्रों का मनना है कि अलग छूट मिल भी जाती है तो प्रचार में पाबंदी लगी रहेगी.

### सऊदी द्वारा यमन पर किए गए एयरस्ट्राइक में मारे गए 70 लोग, यूनाइटेड नेशंस ने की निंदा

**नई दिल्ली।** यूनाइटेड नेशंस के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने यमन पर सऊदी गठबंधन सेना द्वारा हवाई हमले की निंदा की है। बता दें कि इस एयरस्ट्राइक में कम से कम 70 लोग मारे गए थे। ये हवाई हमले सादा में हूती क्षेत्र की एक जेल पर किए गए थे जिसमें एक टेलिकम्युनिकेशन फैसिलिटी भी शामिल थी जिसमें कम से कम तीन बच्चे मारे गए थे। **हमले में 100 से अधिक लोग घायल :** रिपोर्ट में बताया गया है कि इस हमले में 100 से अधिक लोग घायल हुए हैं। गुटेरेस ने कहा है कि युद्ध को रोकने की जरूरत है। उन्होंने अबू धाबी पर हूती विद्रोहियों द्वारा किए गए हमले की भी निंदा की है। ईरान समर्थित विद्रोहियों ने 17 जनवरी को संयुक्त अरब अमीरात पर हमला किया था। स्थानीय रिपोर्ट्स के मुताबिक हमले में मारे गए लोगों की अभी तक तलाशी जारी है और जेल क्षेत्र में राहत कार्य जारी है। सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन ने पिछले एक साल में हूती सैन्य ठिकानों पर हमले तेज कर दिए हैं। 2015 में सना में हूतियों द्वारा सरकार को उखाड़ फेंकने के बाद यमन में संघर्ष जारी है। संयुक्त राष्ट्र में यूएई की राजदूत लाना नुसीबेह ने कहा है कि सऊदी गठबंधन हूती विद्रोहियों के खिलाफ अपनी लड़ाई में प्रतिक्रिया देने के लिए प्रतिबद्ध है।

# सोफे पर पोज देते हुए कैमरे के सामने बोल्ड हुईं संजीदा शेख, तस्वीर देख यूजर ने कहा, 'अब बस कीजिए वरना...'

**हाल ही में संजीदा शेख ने अपने इंस्टाग्राम पर अपनी एक बोल्ड तस्वीर शेयर की थी। इस तस्वीर में वह अपनी बोल्डनेस से आग लगाती नजर आईं थीं। तस्वीर में आप देख सकते हैं कि संजीदा ने ब्लैक कलर की ट्रांसपेरेंट ब्रालेट पहनी है।**

नई दिल्ली। टीवी एक्ट्रसे संजीदा शेख लगभग हर दिन ही अपनी बोल्डनेस ने इंटरनेट का पारा हाई करती नजर आती हैं। संजीदा एक्टिंग के साथ सोशल मीडिया पर फैंस का भी पूरा ध्यान रखती हैं और चाहने वालों के लिए पोस्ट शेयर करती रहती हैं। वहीं फैंस को भी एक्ट्रेस की लेटेस्ट तस्वीरों और वीडियोज का बेसब्री से इंतजार रहता है। इसी बीच संजीदा ने सोशल मीडिया पर अपनी एक और हॉट तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में उनका अंदाज किसी को भी पागल बना सकता है। यहां देखें संजीदा की तस्वीर...

एक्ट्रेस संजीदा शेख ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी एक हॉट तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में वह बेदह ही बोल्ड पोज में दिख रही हैं। तस्वीर में आप देख सकते हैं ?कि संजीदा डीप नेक रेड टॉप और ब्लैक स्कर्ट में सोफे पर लेटकर पोज देती नजर आ रही हैं। वहीं इस दौरान संजीदा का कैमरे की तरह देखने का अंदाज काफी कातिलाना नजर आ रहा है। हमेशा की तरह संजीदा के फैंस उनकी इस तस्वीर को बेहद पसंद कर रहे हैं। इस पर कमेंट कर एक यूजर ने लिखा, %माशाअल्हा।% तो वहीं एक ने लिखा, %आप बेहद खूबसूरत हैं।% एक यूजर लिखता है, %अब बस कीजिए वरना हम अपना दिल खो बैठेगें।% वहीं एक ने लिखा, 'रेड इन हॉट।'

आपको बता दें कि हाल ही में संजीदा शेख ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी एक तस्वीर पोस्ट की थी। इस तस्वीर में आप देख सकते हैं कि संजीदा ने व्हाइट कलर की एक स्ट्रेप वाली टॉप पहनी है। इस दौरान उनके बाल ओपन हैं। वह कैमरे की तरफ देखकर हॉट पोज देती नजर आ रही हैं। वहीं कैमरे की तरफ देखने की उनकी अदा किसी को भी दीवाना बनाने के लिए कफी है। उनके फेस पर एक प्यारी सी स्माइल इस तस्वीर को और भी खूबसूरत बना रहा है। फैंस संजीदा की इस फोटो को काफी पसंद कर रहे हैं। वहीं इस पर कमेंट कर लगातार अपनी प्रतिक्रिया देते नजर आए हैं।

## 'पुष्पा' के गाने पर उर्फी की दिलफेंक अदाएं

नई दिल्ली। बिग बॉस OTT फेम एक्ट्रेस उर्फी जावेद अपने बोल्ड अंदाज के लिए लगातार सुर्खियों में बनी रहती हैं। उर्फी अतरंगी कपड़े पहनने के लिए जानी जाती हैं और वह आए दिन अजीबोगरीब कपड़े पहनकर किसी पब्लिक प्लेज में नजर आ जाती हैं। सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वाली उर्फी कई बार ऐसे कपड़ों में अपनी तस्वीरें और वीडियो भी शेयर कर देती हैं। हाल ही में उन्होंने साड़ी और रिप्ड ब्लाउज में अपना एक वीडियो शेयर किया है।

पुष्पा के गाने पर उर्फी की अदाएं : उर्फी जावेद का ये वीडियो इंटरनेट पर आग की तरह फैल गया है। वीडियो में उर्फी जावेद ब्लॉकबस्टर फिल्म 'पुष्पा' के गाने 'तेरी नजर अशर्फी' पर दिलकश अदाएं दिखा रही हैं। उर्फी के इस वीडियो को सिर्फ एक घंटे में बेहिसाब लोगों ने लाइक और शेयर कर दिया है। हालांकि उर्फी जावेद को ट्रोल करने वालों की भी कोई कमी नहीं है।

ट्रोल बोले- क्या क्या देखना पड़ रहा है : एक ट्रोल ने हंसने वाले कई इमोजी बनाकर लिखा, 'क्या ही कहूं.. मेरे पास शब्द नहीं हैं।' एक अन्य ट्रोल ने लिखा, 'क्या क्या देखना पड़ रहा है। उसे कोई तो शो ऑफर कर दो।' एक इंस्टा यूजर ने कमेंट किया, 'कितना एक्सपोज करोगी। तुम इतनी भी गरीब नहीं हो कि हर बार तुम्हें आधे कपड़े उतारने पड़ते हैं।'

जावेद अख्तर से जोड़ा गया था नाम : इसी तरह के ढेरों कमेंट उर्फी के इस वीडियो पर किए गए हैं। बता दें कि उर्फी जावेद बिग बॉस OTT का हिस्सा बनी थीं लेकिन पहले ही एविक्शन में उन्हें बाहर कर दिया गया था। इसके बाद से वह लगातार ऐसे अतरंगी कपड़ों में नजर आती रही हैं। उर्फी जावेद का नाम दिग्गज लिरिक्स राइटर जावेद अख्तर से भी जोड़ा जा चुका है जिसके बाद अख्तर परिवार ने इस पर सफाई दी थी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक : पराग वराडपांडे द्वारा महर्षि प्रिंटर्स प्रा.लि. प्लाट नं. 23-24 पर्मिला भवन, इन्द्रा प्रेस काम्प्लेक्स, एम.पी. नगर, जोन-1, भोपाल - म. प्र से मुद्रित कराकर, प्लाट नं. -12, सेक्टर-ए, परस्पर सोसायटी चूनाभट्टी, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित। सम्पादक: पराग वराडपांडे, मो. 9826051505,आर.एन.आई. नं. **MPHIN/2015/66655, editor@trikaldrishti.com** (विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)